Report on Content Creator Workshop
(17 March 2026)

The Department of Journalism and Mass Communication at Khwaja Moinuddin Chishti Language University, in collaboration with Canon India, successfully organized a one-day Content Creator Workshop. The workshop was held at the Ganesh Shankar Vidyarthi Study Centre of the university. Its objective was to familiarize students with modern camera technology, digital storytelling, and the practical aspects of visual communication.

The program was inaugurated by the Head of the Department, Dr. Ruchita Sujai Chowdhary. In her address, she highlighted the importance of content creation in the digital age and emphasized that a balance of technical skills, creativity, and social sensitivity is essential in today's time. She encouraged students to go beyond theoretical knowledge and focus on developing practical skills.

The keynote speaker of the workshop was Amit Saxena, Technical Expert from Canon Lucknow. He discussed the latest advancements in camera technology and explained that mirrorless cameras represent the future of photography and videography. These cameras are more advanced, lightweight, and efficient compared to traditional ones. He also emphasized that becoming a successful content creator requires not only good equipment but also a strong vision, effective storytelling, proper lens selection, and knowledge of lighting and framing.

During the workshop, students received hands-on training, where they worked with cameras and gained practical understanding of technical aspects. Participants were also given a live assignment to showcase their creativity and skills. Apart from students of the Department of Journalism and Mass Communication, students from BCA, MCA, and BA programs also participated enthusiastically, reflecting the growing interest of youth in digital content creation.

In the valedictory session, Dr. Syed Kazim Asghar Rizvi honored the keynote speaker Amit Saxena and expressed gratitude for his valuable contribution. On this occasion, Dr. Shachindra Shekhar, Dr. Mohammad Naseeb, Dr. Vinay Kumar, along with other faculty members and research scholars, were present.

Camp

केवल उपकरण से नहीं बन सकते कंटेंट क्रिएटर

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में एक दिवसीय कंटेंट क्रिएटर कार्यशाला हुई। विद्यार्थियों को आधुनिक कैमरा तकनीक, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और विजुअल कम्युनिकेशन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बताया गया। मुख्य वक्ता कैनन के तकनीकी विशेषज्ञ अमित सक्सेना ने विद्यार्थियों को बताया कि सफल कंटेंट क्रिएटर बनने के लिए केवल उपकरण ही नहीं, बल्कि सशक्त विजन, स्टोरीटेलिंग स्किल, सही लेंस चयन, लाइटिंग और फ्रेमिंग का ज्ञान भी जरूरी है।(संवाद)

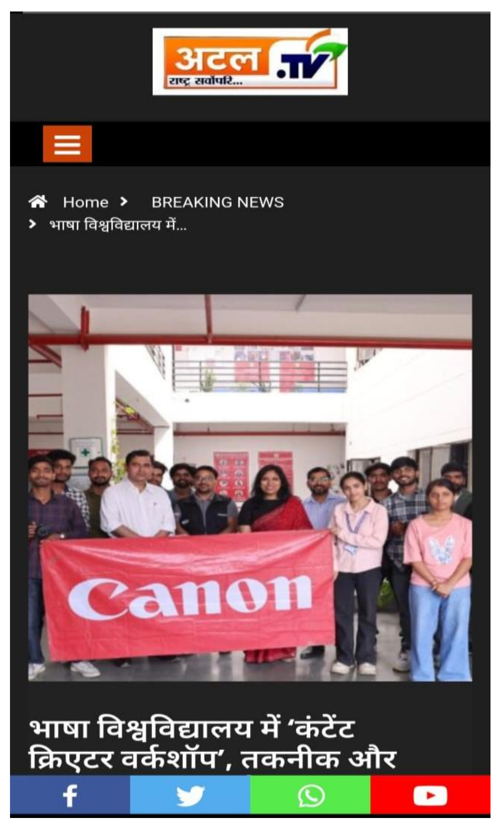

उपयोग अत्यंत गंभीर लापरवाही उनका आकार असंतुलित है और हादसों का कारण बन सकता है। की जाएगी।

भाषा विवि में हुई कंटेंट क्रिएटर वर्कशॉप

कंटेंट क्रिएटर वर्कशाप में प्रतिभागी डॉ. रुचिता सुजय चौधरी के साथ। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा 'कैनन इंडिया' के सहयोग से एक दिवसीय 'कंटेंट क्रिएटर वर्कशॉप' का आयोजन किया गया। गणेश शंकर विद्यार्थी अध्ययन केंद्र में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक कैमरा तकनीक, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और विजुअल कम्युनिकेशन के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ विभाग प्रभारी डॉ. रुचिता सुजय चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि आज का दौर डिजिटल मीडिया का है, जहां कंटेंट निर्माण में तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता और सामाजिक संवेदनशीलता का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावहारिक कौशल विकसित कर पेशेवर दुनिया की चुनौतियों के लिए स्वयं को तैयार करें।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता कैनन लखनऊ के तकनीकी विशेषज्ञ अमित सक्सेना रहे। उन्होंने कैमरा तकनीक में हो रहे बदलावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मिररलेस कैमरे फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का भविष्य हैं, जो पारंपरिक कैमरों की तुलना में अधिक उन्नत, हल्के और प्रभावी हैं। इस कार्यशाला में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के साथ-साथ बीसीए, एमसीए एवं बीए के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो डिजिटल कंटेंट निर्माण के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. सैयद काजिम असगर रिज़वी ने मुख्य वक्ता अमित सक्सेना को सम्मानित करते हुए उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. शचिंद्र शेखर, डॉ. मोहम्मद नसीब, डॉ. विनय कुमार, जसदीप, वंश एवं वंशिका सहित अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे।